पीओके पर फर्जी हमले की खबर चलाई चैनलों ने, भारतीय सेना ने तुरन्त किया खंडन

ऐंकर अंजना ओम कश्यप, रुबिका लियाकत और दीपक चौरसिया की लोगों ने खूब की खिंचाई

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: आजतक, एबीपी न्यूज और न्यूजनेशन चैनल ने ऐसे ऐंकर रखे हुए हैं जो आये दिन अपने चैनलों की भद्द पिटवाते रहते हैं। इसकी ताजा मिसाल आजतक की ऐंकर अंजना ओम कश्यप, एबीपी की रुबिका लियाकत और न्यूजनेशन चैनल का दीपक चौरसिया हैं। इन लोगों ने 19 नवम्बर यानी गुरुवार शाम को 7.04 मिनट पर खबर चलाई और इस बारे में ट्वीट किया कि भारतीय सेना ने पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) में एक और बड़ी एयर स्ट्राइक की है। अंजना समेत सभी ऐंकरों ने इसे पीओके में अब तक सबसे बड़ा आपरेशन बता डाला।

लेकिन इस फर्जी खबर को लेकर जब आल्ट न्यूज सक्रिय हुआ तो उन्हीं अंजना कश्यप ने पूरे 35 मिनट बाद यानी शाम 7.39 बजे इसका खंडन करते हुए कहा कि सेना ने आज पीओके में किसी तरह की सैन्य कार्रवाई का खंडन किया है। खास बात यह है कि अंजना ओम कश्यप ने 35 मिनट पहले आजतक के दर्शकों से जो झूठ बोला था, उस पर न तो माफी मांगी और न ही अपनी खबर ट्वीट को सही मानते हुए उस पर अड़ी रहीं। लेकिन सोशल मीडिया पर जब उन्हें लोग घेरने लगे तो

दरअसल, ये एंकर सुप्रीम कोर्ट को भी ठेंगा दिखाते हुए कह रहे हैं कि हम तो डंके की चोट पर जहरीली और झूठी खबरें ही फैलायेंगे...

मैडम ने चुपचाप अपनी फर्जी खबर का ट्वीट डिलीट कर दिया लेकिन भारतीय सेना का खंडन नहीं हटाया। सेना का यह खंडन अभी उनके ट्वीट्स में देखा जा सकता है लेकिन उन्होंने जो पीओके में एयर स्ट्राइक की जो अफवाह फैलाई थी, गायब है।

यही हरकत रुबिका लियाकत ने भी की। उन्होंने भी ठीक उसी समय पीओके पर हमले की अफवाह को अपने चैनल और ट्वीट के जरिये फैलाया। लेकिन आधे घंटे बाद जब सेना ने खंडन जारी किया तो रुबिका ने अफवाह वाली खबर को पीटीआई न्यूज एजेंसी के हवाले से बताकर सेना का खंडन तो दिखा दिया लेकिन अपना ट्वीट अंजना की तरह डिलीट कर दिया। रुबिका ने अंजना के मुकाबले बस यही ईमानदारी बरती कि उन्होंने पीटीआई पर सारी जिम्मेदारी डाल दी। हालांकि जब इन्होंने अपने चैनलों पर और ट्वीट पर यह खबर चलाई थी तो उस समय सोर्स के रूप में पीटीआई का हवाला नहीं दिया था।

तमाम ऐंकरों में थर्ड रेट का ऐंकर दीपक चौरसिया इनसे भी चार हाथ आगे निकला। उसने भी यह खबर डंके की चोट पर चलाई और आधे घंटे तक चैनल पर चीखता रहा और कैसे मोदी जी ने पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर मारा है, का चिल्लाते हुए बखान करता रहा। तभी सेना का खंडन आ गया। इसने फौरन अपना प्रोग्राम समेट लिया और बोला कि पीटीआई ने यह खबर दी थी लेकिन अब सेना ने इसका खंडन कर दिया है कि ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अलबत्ता चौरसिया ने एक ईमानदारी बरती कि इसने अफवाह फैलाने वाली खबर का ट्वीट हटाया नहीं और खंडन के साथ उसे भी लगाये रखा है। इस संवाददाता के पास सभी ट्वीट सुरक्षित हैं। आखिरी खबर लिखे जाने तक चौरसिया ने अपनी फर्जी खबर का ट्वीट हटाया नहीं था।

अंजना, रुबिका और चौरसिया की इस हरकत से भारत की तरह पाकिस्तान के वहां के कथित राष्ट्रभक्त चैनलों को मौका मिल गया और उन्होंने अंजना और बाकी ऐंकरों की हरकत को प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार से जोड़ दिया। पाकिस्तानी चैनल कई घंटे तक प्रचार करते रहे कि भारत के चैनल किस तरह अफवाह और झूठ फैलाते हैं। उन्होंने यह तक कहा कि ये वही ऐंकर हैं जो मोदी का इंटरव्यू ले चुके हैं और अंजना तो पीएम मोदी की पसंदीदा ऐंकर मानी जाती हैं।

बहरहाल, सोशल मीडिया पर रुबिका और दीपक चौरसिया के मुकाबले अंजना ओम कश्यप को लोग जबरदस्त ट्रोल कर रहे हैं। विक्रम नामक एक यूजर ने सीधे सवाल ही पूछ लिया कि आंटी ट्वीट क्यों डिलीट किया। कुछ लोगों ने अंजना से इस हरकत के लिए माफी मांगने तक को कहा। कुछ ने करप्शन तक के आरोप लगा डाले। कुछ ने लिखा कि अब तक तो भगवा दलालों ने अपनी वाट्सऐप यूनिवर्सिटी के जरिये इसे देशभर में फैला दिया होगा। आमतौर पर ट्विटर पर लोगों ने इन पर गोदी मीडिया और दलाल पत्रकार होने का आरोप लगाया है।

जनता का कहना है कि ऐसे तो ये ऐंकर किसी दिन पाकिस्तान पर हमले की झूठी खबर चला देंगे, ताकि भाजपा और केंद्र सरकार को बंगाल चुनाव में फायदा पहुंचाया जा सके।

काम की खबर

फरीदाबाद

मतदाता सूची

केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर फरीदाबाद में 28, 29 नवम्बर और 12-13 दिसम्बर को मतदाता सूचियों को ठीक करने के लिए आपके इलाके के मतदान केंद्रों पर कैंप लगेंगे। यहां पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। अगर आपका नाम मतदाता सूची में नहीं है, वोटर लिस्ट या मतदाता पहचान पत्र में कोई गड़बड़ी है तो उस दिन मतदान केंद्रों पर जाकर ठीक करा सकते हैं। इसके लिए अलग-अलग फॉर्म भरकर आप दावे या आपत्तियां जता सकते हैं। फरीदाबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी और डीसी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

सभी पेंशनों के लिए परिवार पहचान पत्र जरूरी

बुढ़ापा पेंशन के लिए अब पांच साल पुराना रिहायशी दस्तावेज जमा कराना काफी रहेगा। अभी तक 15 साल पुराना रिहायशी दस्तावेज लगाने पर ही बुढ़ापा पेंशन मंजूर की जाती थी। इसके अलावा अब बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। अगर कोई इन योजनाओं में से किसी के लिए भी आवेदन करता है तो उसे परिवार पहचान पत्र लगाना होगा।

छठ के कारण यहां न जायें

फरीदाबाद में कोरोना मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जिला प्रशासन ने सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, तालाब, नहर और नदी आदि में छठ के कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। ऐसा भीड़ को रोकने के लिए किया गया है। छठ के दौरान इन स्थानों पर खासकर महिलाओं की मौजूदगी भारी संख्या में देखी जाती है। उनकी सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है।

आफिसर्स कॉलोनी में मनायेंगे छठ

सैक्टर-15ए में ऑफिसर्स कॉलोनी में नये बन रहे बहुमंजिला मकानों के पास रातों रात छठ पूजा के लिए एक बड़ा गड्ढा खोदकर उसमें पानी भर दिया गया है। इसलिए छठ पूजा करनी हो तो आप यहां जरूर जायें। बाकी जगहों पर तो रोक लगा दी गई है। लेकिन जिस इलाके में डीसी, एसडीएम, डीसीपी, जज और अन्य अधिकारी रहते हैं वहां छठ पूजा के लिए विशेष इंतजाम है। क्योंकि वहां कोरोना के घुसने पर सरकार ने रोक लगा रखी है।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. राम खिलावन - बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने

कौन पी रहा है सेक्टर 55 का पानी, बिन पानी गुजर रहे हैं त्यौहार

भाजपा पार्षद रहती हैं राजीव कॉलोनी में, कैसे समझेंगी लोगों का दर्द

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: सेक्टर 55 में सबकुछ है लेकिन पानी लापता है। इस बार यहां के लोगों की दिवाली पानी के बिना बीती है। लोगों को टैंकर माफिया से पानी खरीदना पड़ा। सबसे ज्यादा पीड़ित सेक्टर 55 की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के लोग हैं। हालात ये हैं कि इस सेक्टर में एक दिन पानी आता है और दो दिन नहीं आता है। यहां पर पानी आपूर्ति की जिम्मेदारी नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) की है। लेकिन पानी सप्लाई का शेड्यूल बनाने के बाद भी सेक्टर 55 में पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। यहां पर रैनीवेल के जरिए पानी आता है। लेकिन बूस्टर पर आने के बाद वो पानी सेक्टर 55 तक नहीं पहुंच पा रहा है। फरीदाबाद-बल्लभगढ़ के वीआईपी इलाकों में पानी की सप्लाई पहले करने की वजह से ऐसे इलाके प्यासे रह जाते हैं।

कहां हैं विधायक नीरज शर्मा

सोहना रोड पर स्थित सेक्टर 55 में करीब पांच महीने पहले पानी की भीषण समस्या पैदा हो गई थी। उस समय क्षेत्रीय विधायक नीरज शर्मा के नेतृत्व में सेक्टर 55 के लोगों ने फरीदाबाद-गुड़गांव मार्ग को कई घंटे तक जाम कर दिया था। इसके बाद एमसीएफ के आला अफसरों को मौके पर आना पड़ा। विधायक की मौजूदगी में एमसीएफ के अफसरों ने शेड्यूल बनाया कि बुधवार को छोड़कर शेष छह दिन यहां पानी की सप्लाई दोनों वक्त आयेगी। यह सिलसिला मुश्किल से एक महीना चला लेकिन धीरे-धीरे इसमें कमी आती गई। पहले एक दिन छोड़कर पानी दूसरे दिन आने लगा। इसके बाद दो दिन छोड़कर तीसरे दिन पानी सप्लाई होने लगा। लेकिन

दिवाली के एक दिन पहले से यहां भयंकर स्थिति पैदा हो गई। लोगों को पानी के दर्शन ही नहीं हुए। बोतलों का पानी खरीदकर लोगों ने किसी तरह त्यौहार मनाया। यहां के लोगों का कहना है कि अब हम विधायक नीरज शर्मा को तलाश रहे हैं ताकि वे एमसीएफ अफसरों पर दोबारा दबाव बनायें लेकिन उनका कुछ भी अता-पता नहीं है। लोगों ने क्षेत्र की भाजपा पार्षद सपना डागर से भी संपर्क किया। दरअसल, सपना डागर का सारा काम उनके जेठ मुकेश डागर देखते हैं। मुकेश डागर ने सेक्टर 55 के लोगों को भरोसा दिया है कि दिसम्बर में पानी की स्थिति ठीक हो जायेगी। लेकिन मुकेश डागर के आश्वासन पर लोगों को भरोसा नहीं है। क्योंकि सर्दी बढ़ने के साथ ही पानी का इस्तेमाल कम हो जायेगा तो सप्लाई अपने आप ही ठीक लगने लगेगी। पार्षद का कहना है कि दिसम्बर तक इलाके में ट्यूबवेल लग जायेगा, तब स्थिति ठीक हो जाएगी।

दर्द का इलाज कैसे होगा

क्षेत्र की भाजपा पार्षद सपना डागर का परिवार सेक्टर 55 में नहीं रहता है। वे लोग राजीव कॉलोनी में रहते हैं। यहां के नागरिकों का कहना है कि अगर हमारी पार्षद सेक्टर 55 में रह रही होतीं तो उन्हें हमारा दर्द मालूम होता। राजीव कॉलोनी में पानी की सप्लाई बेहतर है, इसलिए उन्हें सेक्टर 55 की परवाह नहीं है। लेकिन यहां एक और दर्द भी है। सेक्टर 55 हाउसिंग बोर्ड और छोटी कोठियों में विभाजित है। कोठी वालों के अपने कई हजार लीटर के अंडरग्राउंड टैंक हैं। लेकिन हाउसिंग बोर्ड के मकान छोटे हैं और वहां पांच सौ लीटर से ज्यादा बड़ी टंकी लोग लगा नहीं सकते। इसलिए वहां पानी की किल्लत सबसे ज्यादा है। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष राजकुमार कौशिक का कहना है कि जब तक हाउसिंग बोर्ड में रहने वालों के लिए पेयजल आपूर्ति का अलग इंतजाम नहीं होता है, तब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता। उनका कहना है कि सेक्टर 55 की आबादी 25-26 हजार है लेकिन इस इलाके को एमसीएफ विकास कार्यों के मामले में लगातार नजरन्दाज कर रहा है।